www.davvonline.com
davv ba question papers

संस्कृत-2016

आर्षकाव्य एवं लौकिक काव्य

Time : 3 Hours] *[Max Marks : Regular 85/Private 100*

खण्ड अ : वस्तुनिष्ठ *[Regular 15 × 1 = 15/Private 15 × 1 = 15]*

1. लौकिक संस्कृत में रचित सर्वप्रथम कृति का नाम क्या है?
2. कई शताब्दियों तक रामायण का प्रचार (किस प्रकार से =) किस परम्परा से रहा है?
3. रामायण के "बालकाण्ड" में कौन-कौन से आख्यान हैं?
4. "महाभारत" का रचयिता कौन माना जाता है?
5. "महाभारत" में कुल कितने पर्व हैं? उनमें से कौन-सा पर्व आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित है?
6. "यौगन्धरायण" स्वप्नवासवदत्तम् में राजा का कौन था?
7. "स्वप्नवासवदत्तम्" नाटक के अंकों की संख्या कितनी है?
8. "रघुवंशम्" किस महाकवि की कृति है?
9. राजा दिलीप की पत्नी कौन थी?
10. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक का रचनाकार कौन है?
11. "स्वप्नवासवदत्तम्" नाटक का नायक कौन है?
12. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक की नायिका कौन है?
13. सूर्य से उत्पन्न वंश कौन सा है?
14. कामधेनु की पुत्री कौन थी?
15. राजा दिलीप का कौनसा मनोरथ अपूर्ण था?

खण्ड ब : लघुउत्तरीय *[Regular 5 × 4 = 20/Private 5 × 5 = 25]*

1. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये :

   आत्मवान् को जितक्रोधो द्युतिमान् कोऽवसूयकः।
   कस्य विभ्यति देवाश्यच जातरोषस्य संयुगे।।

   अथवा

   महोरस्को महेष्वासो गूढजत्रुरदिंम् ।
   आजानुबाहुः सुशिराः सुललाटः सुविक्रमः।।

2. किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये :

   वानप्रस्था : खल्वपि धर्ममनुसरन्तः पुण्यानि तीर्थानि नदी प्रस्त्रवाणि सुविवित्तेष्वरण्येषु मृगमहिष-वराह-शार्दूल-वनम वनगजाकीर्णेषु तपस्यन्तोऽनुसंचरन्ति त्यक्तग्राम्यवस्त्राभ्यक-हारोपभोगा वन्यौषधि-फल-मूल-पर्ण-परिमितविचित्र-नियताहाराः .... त्वगस्थिभूता धृतिपराः सत्त्वयोगाच्छरी-राष्युदवहन्ते।

   अथवा

www.davvonline.com

www.davvonline.com
davv ba question paper

मोक्षाश्रमं यश्चरते यथोक्तं :

शुचि : सुसंकल्पितमुक्तबुद्धिः।
अनिन्धनं ज्योतिरिव प्रशान्तं
स ब्राह्मलोकं श्रयते मनुष्यः।।

3. किसी एक श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये :

क्व यूर्यप्रभवों वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।
तितीर्षुदुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम् ।।

अथवा

व्यूढोरस्को वृषास्कन्धः शातप्रांशुर्महाभुजः।
आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः।।

4. किसी एक श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये :

तीर्थोदकानि समिधः कुसुमानि दर्भान्
स्वैरं वनादुपरनयन्तु तपोधनानि।
धर्मप्रिय नृपसुता न हि धर्मपीड़ा-
मिच्छेत् तपस्विषु कुलव्रतमेतदस्याः।।

अथवा

सविश्रमो हनयं भारः प्रसक्तस्तस्य तु श्रमः।
तस्मिन् सर्वमधीनं हि यत्राधीनो नराधिपः।।

5. 'किरातार्जुनीयम्' अथवा 'शिशुपालवधम्' का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

खण्ड स : दीर्घ उत्तरीय *[Regular 5 × 10 = 50/Private 5 × 12 = 60]*

1. 'रामायण' के महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

अथवा

'रामायण' का परिचय देते हुए उसकी प्रासङ्गिकता बतलाइये।

2. 'महाभारत भारतीय संस्कृति का विश्वकोश है।' कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिये।

अथवा

'महाभारत' के पठितांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिये।

3. 'रघुवंशम्' के प्रथम सर्ग के आधार पर कालिदास के उपमा अलंकार की विवेचना कीजिये।

अथवा

पठितांश के आधार पर रघुवंश का परिचय दीजिये।

4. उदयन का चरित्र-चित्रण कीजिये।

अथवा

'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के शीर्षक की सार्थकता प्रतिपादित कीजिये।

5. 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य की विशेषताएँ लिखिये।

अथवा

'नैषधीयचरितम्' महाकाव्य का परिचय दीजिये।

www.davvonline.com
www.davvonline.com
www.davvonline.com
www.davvOnline.com
www.davvOnline.com
www.davvonline.com